छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-117 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

दिवाली से पहले तुकाराम मुंढे का बड़ा एक्शन, एफडीएन ने 12.74 करोड़ का माल किया जब्त



नई दिल्ली। 22 दिवाली और नवरात्रि से पहले महाराष्ट्र FDA ने राज्यभर में बड़ा अभियान चलाकर 12.74 करोड़ रुपये का माल जब्त किया। कार्रवाई में 68 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए, 7 को बंद करने के आदेश दिए गए और मिलावटी, घटिया व गलत लेबल वाले खाद्य उत्पादों की बड़ी खेप पकड़ी गई। दिवाली और नवरात्रि के त्योहारों के बीच बाजारों में मिलावटखोरी और खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों पर नकेल कसते हुए महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने राज्यभर में बड़ा अभियान चलाया है। इस स्पेशल कैंपन , एक्सपायर्ड और प्रतिबंधित उत्पाद जब्त किए हैं।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस: अनिल पंडित से सीधे संपर्क में था आरोपी प्रांजल



नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच का दावाअभिनेता टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में आरोपी प्रांजल को अदालत ने 31 अक्टूबर तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में भेज दिया है। क्राइम ब्रांच ने अदालत को बताया कि प्रांजल कथित तौर पर अनिल पंडित के सीधे संपर्क में था और हथियार उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में उसकी भूमिका की जांच की जा रही है।मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग की जांच में क्राइम ब्रांच को एक अहम सुराग मिला है। साजिश की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी मान रही है। जांच एजेंसी का दावा है ।

कुंभ से पहले नासिक में बना शंखनाद का वर्ल्ड रिकॉर्ड



नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नाशिक में रविवार को 517 श्रद्धालुओं ने एक साथ शंख बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाया। यह कार्यक्रम गोदावरी नदी के किनारे हुआ। यह आयोजन सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह से पहले किया गया।प्रतिभागियों ने पांच मिनट 30 सेकंड तक शंख बजाए। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम के लिए चेन्नई से खास तौर पर प्रमाणित शंख मंगाए गए थे।गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के सीनियर जज ऋषि नाथ ने देवमामलेदार यशवंत महाराज पटांगण में रिकॉर्ड की घोषणा की। इससे पहले एक साथ शंख बजाने का रिकॉर्ड 2019 में अमेरिका के न्यू जर्सी में 303 लोगों के नाम था।नाशिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेला दोनों पवित्र शहरों में हर 12 साल में होने वाला बड़ा हिंदू धार्मिक आयोजन है।

पूर्व जस्टिस कौल बोले- सीजेआई चंद्रचूड़ सरकार के सामने झुके



नई दिल्ली। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज संजय किशन कौल ने पूर्व CJI डीवाई चंद्रचूड़ के रवैए की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ जजों की नियुक्ति के मामले में सरकार के प्रति जरूरत से ज्यादा झुके हुए थे। जस्टिस कौल ने अपनी आने वाली किताब 'विदाउट फियर ऑर फेवर' में सुप्रीम कोर्ट की छह रिक्तियों को भरने वाली कॉलेजियम बैठक का जिक्र किया है।जस्टिस कौल ने कहा कि कॉलेजियम को सरकार के दबाव का विरोध करना चाहिए। आज नियुक्तियों से पहले सरकार से नामों पर चर्चा करने की परंपरा बन गई है।जस्टिस कौल ने अपनी किताब में लिखा है ।

विश्व हिंदू परिषद घर-घर पहुंचेगी, हित चिंतक अभियान शुरू

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में हर परिवार को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य





एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विश्व हिंदू परिषद की जिला बैठक पटियाला हाउस में हुई। बैठक में मध्य भारत क्षेत्र के संगठन मंत्री राजाराम जी, विहिप के प्रांत अध्यक्ष डॉ. ललित मखीजा और प्रांत सह मंत्री विजय राठौर ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। इस दौरान संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और हित चिंतक अभियान को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में तय किया गया कि हित चिंतक अभियान के तहत जिले के हर क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा परिवारों तक पहुंचकर उन्हें संगठन से जोड़ने और उसके कामों व उद्देश्यों की जानकारी देने पर जोर दिया गया। इसके लिए मोबाइल ऐप की मदद से भी परिवारों से संपर्क किया जाएगा।

जिला अध्यक्ष हर्ष छाबरिया ने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज के हर परिवार तक पहुंचकर संगठन का संपर्क और विस्तार मजबूत करना जरूरी है।बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभाने और तय समय में संगठन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति और दुर्गा वाहिनी की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई।बैठक का संचालन जिला मंत्री प्रकाश साहू ने किया। इस दौरान बजरंग दल के विभाग संयोजक सागर पटेल, जिले के पदाधिकारी और विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।हित चिंतक अभियान के जरिए विश्व हिंदू परिषद जिले के हर परिवार तक पहुंचने, लोगों से सीधा संपर्क बढ़ाने और पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

'मन की बात' देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम: मुख्यमंत्री



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर जिले के अभनपुर स्थित अग्रवाल भवन में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी एवं श्री सिद्धार्थ शंभू के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 139वीं कड़ी का श्रवण किया।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज, पर्यावरण, संस्कृति, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। ऐसे प्रेरक उदाहरण देशवासियों में समाज और राष्ट्र के लिए कुछ नया करने का भाव जागृत करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की विभिन्न कड़ियों में प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, खेल प्रतिभाओं, जल संरक्षण, पोषण और नवाचार से जुड़े प्रयासों को प्रमुखता से स्थान दिया है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम का उल्लेख कर बस्तर की खेल प्रतिभाओं एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दी है। आज शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा बस्तर अपनी युवा प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से नई पहचान बना रहा है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कोरिया जिले में जल संरक्षण के अभिनव 'पांच प्रतिशत मॉडल' की भी सराहना की है, जिसके तहत किसान अपनी भूमि के पांच प्रतिशत हिस्से में तालाब बनाकर वर्षा जल का संचय करते हैं। इससे सिंचाई के साथ भूजल संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। इसी प्रकार ऐतिहासिक मल्हार के ताम्रपत्रों और पोषण से जुड़े 'हर घर मुनगा' जैसे प्रयासों का उल्लेख छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित करता है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 139वीं कड़ी में कार्यक्रम की 12 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए देश के सामान्य नागरिकों के परिश्रम, सेवा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने पंजाब में प्राकृतिक कपास की खेती जैसे प्रेरक प्रयासों का उल्लेख किया।

भुवनेश्वर में पीएम मोदी ने कांग्रेस को घेरा

2014 से पहले कुछ चहेतों को हजारों करोड़ का लोन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने रविवार को भुवनेश्वर में आरबीआई के डेटा सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले कुछ चहेतों को फोन बैंकिंग के जरिए हजारों करोड़ के लोन दिए गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भुवनेश्वर में 169 करोड़ रुपये की लागत वाली आरबीआई के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। इस दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने एक बार फिर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा,



÷2014 से पहले, दिल्ली में कांग्रेस के चहेते कुछ लोगों को सिर्फ 'फोन बैंकिंग' के जरिए हजारों करोड़ रुपये के बैंक लोन दे दिए गए थे। इस व्यवस्थागत विफलता के कारण भारत का

देश के हर नागरिक तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाई

उन्होंने कहा कि नए 'डिजिटल इंडिया' इकोसिस्टम ने देश के हर नागरिक तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाई हैं। आज, भारत का बैंकिंग सेक्टर दुनिया के सबसे मजबूत बैंकिंग सेक्टरों में से एक है। डिजिटल बैंकिंग के जरिए, देश का हर नागरिक इसका लाभार्थी बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि डेटा सेंटर फायदेमंद साबित होंगी।

मन की बात के 12 साल पूरे

पीएम मोदी बोले- त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों से सामान खरीदें

मन की बात के 12 साल पूरे

पीएम मोदी ने त्योहारों के अवसर पर लोगों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने मन की बात के 139वें एपिसोड में कहा कि इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा।

पीएम ने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव पहुंच रही है, जिससे देश के किसानों के लिए दुनिया भर में नए अवसर खुल रहे हैं।न्होंने कहा कि 12 साल पहले विजयादशमी के पावन पर्व पर इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी और यह यात्रा उनके लिए देशवासियों को करीब से जानने व समझने की एक तीर्थ यात्रा के



समान है।स्वतंत्रता सेनानी परमानंद जी की 150वीं जयंती- पीएम ने कहा कि 4 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानंद जी की 150वीं जयंती है। आर्य समाज और गदर पार्टी से जुड़े भाई परमानंद जी ने दक्षिण अफ्रीका व गुयाना में कार्य किया और आजादी की लड़ाई में काला पानी की सजा काटी।



त्योहारों में एलपीजी संकट का खतरा! कमीशन बढ़ाने समेत कई मांगों पर आज दिल्ली में डीलर्स का प्रदर्शन, अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

एलपीजी ने अपनी मांगों में होम डिलीवरी और प्रशासनिक शुल्क में 75 रुपये की बढ़ोतरी, एलपीजी के लिए 236 रुपये का भुगतान और PNG कनेक्शन लेने पर एलपीजी नेक्शन छोड़ने की अनिवार्यता खत्म करने की मांग की है।

त्योहारों के बीच देश में एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है।एसोसिएशन से जुड़े वितरक आज पूर्वी दिल्ली के ष्टब्ब्ष ग्राउंड में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक सांकेतिक धरना-प्रदर्शन करेंगे। देशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा सकती है।

खरगे के 'वाले कमेंट पर सियासी बवाल,

भाजपा का आज देशभर में हल्ला बोल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पीएम मोदी को लेकर की गई टिप्पणी से देश की सियासत गरमा गई है। खरगे की टिप्पणी पर बीजेपी ने सोमवार को देशभर में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी पर सियासी विवाद बढ़ गया है। पटना में रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान खरगे के बयान को बीजेपी ने प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता का अपमान बताया है। इसके विरोध में बीजेपी ने सोमवार को देशभर के सभी प्रदेश मुख्यालयों पर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित



भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने खरगे की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पर मर्यादा की सारी सीमाएं पार करने का आरोप लगाया है।वहीं, पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी के मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पटना कोतवाली में शिकायत की गई। दूसरी ओर, कांग्रेस ने सफाई देते हुए दावा किया कि खरगे की टिप्पणी प्रधानमंत्री के पिता के लिए नहीं, बल्कि बीजेपी और आरएसएस के वैचारिक नेतृत्व के संदर्भ में थी।

रविवार को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भाषण दे रहे थे। इसी बीच एक व्यक्ति ने कथित तौर पर 'मोदी नहीं जाएगा' कहकर नारेबाजी की। इसके जवाब में खरेगे ने कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगाज बाप भी जाएगा।'

अमित शाह का हमला, बोले- कांग्रेस ने सारी हदें पार कीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खरगे की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी या उनके परिवार के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है।यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार को अपशब्द कहे हों। कभी उनकी पूजनीय ' कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाया।

न्यूज इन शॉर्ट

चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने जारी की मौसम आधारित कृषि सलाह

25 से 29 अक्टूबर तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना

किसानों को धान की कटाई रोकने, कटी फसलों को सुरक्षित रखने और खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करने की सलाह

रायपुर,बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आगामी दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने किसानों के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की है। विश्वविद्यालय ने किसानों से फसलों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने और कृषि कार्यों में मौसम के अनुरूप बदलाव करने की अपील की है।चक्रवाती तूफान के मद्देनजर किसान कल्याण मंत्री श्री राम विचार नेताम और कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने किसान के हित में आवश्यक सहयोग के लिए विभाग अधिकारी कर्मचारी सहित मैदानी अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।बता दें कि भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अगले कुछ घंटों में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इस दौरान हवा की गति 115 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में 25 अक्टूबर से वर्षा की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 25 अक्टूबर को बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा तथा अन्य जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग और राजनांदगांव सहित अन्य जिलों में भी भारी बारिश हो सकती है।इसी प्रकार 26 अक्टूबर को दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर, सुकमा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 27 अक्टूबर को भी प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। वहीं 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा की संभावना के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है।इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि जिन खेतों में धान, दलहन एवं तिलहन की फसलें पकने की अवस्था में हैं, वहां आगामी दो से चार दिनों तक कटाई का कार्य स्थगित रखें। जिन किसानों ने फसलों की कटाई प्रारंभ कर दी है, वे कटी हुई फसलों को शीघ्र सुरक्षित स्थानों पर रखें। खेतों में अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि जलभराव से फसलों को नुकसान न पहुंचे।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को फसलों में रोग एवं कीटों के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद ही आवश्यक कीटनाशकों अथवा कवकनाशकों का छिड़काव करने की सलाह दी है। आगामी दिनों में रबी फसलों की बुवाई करने वाले किसानों को भी मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए बुवाई का कार्य नवंबर माह के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ करने का सुझाव दिया गया है।सब्जी एवं फल उत्पादक किसानों को भी विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार चक्रवाती प्रभाव से तेज हवा चलने की संभावना को देखते हुए लता वाली सब्जियों, विशेषकर करेला एवं लौकी जैसी फसलों के लिए सहारे की व्यवस्था करें। केले के पौधों एवं फलदार वृक्षों को भी आवश्यकतानुसार सहारा दें। सब्जियों के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें तथा बारिश के दौरान कीटनाशकों एवं कवकनाशकों के छिड़काव से बचें। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि वे अपने पशुओं को सुरक्षित एवं सूखे स्थानों पर रखें। तेज हवा और बारिश की संभावना को देखते हुए पशुओं को पेड़ों के नीचे अथवा खुले स्थानों पर बांधने से बचें। पशुओं के लिए सूखे चारे एवं स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें।

जीपीएम में गांजे के कारोबार पर सवाल: कहीं कार्रवाई, तो कहीं खुलेआम बिक्री के आरोप; आखिर किसके संरक्षण में चल रहा अवैध धंधा

पुलिस की कार्रवाई के बावजूद नशे के कारोबार पर लगाम लगाने की चुनौती, पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर उठ रहे सवाल

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर



जीपीएम गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले में गांजे के अवैध कारोबार को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिले में कहीं गांजे के खिलाफ कार्रवाई की खबरें सामने आती हैं, तो कहीं खुलेआम बिक्री होने की शिकायतें चर्चा में रहती हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिले में नशे के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या कार्रवाई केवल कुछ मामलों तक सीमित है, या फिर उन स्थानों तक भी पुलिस की निगरानी पहुंच रही है, जहां कथित तौर पर लंबे समय से गांजे की बिक्री की शिकायतें हैं?

नशे का अवैध कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह युवाओं और समाज के भविष्य से भी जुड़ा गंभीर विषय है। यदि किसी क्षेत्र में खुलेआम गांजा बिकने की शिकायतें मिल रही हैं, तो संबंधित पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर ठोस कार्रवाई करें। वहीं, जिन स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है, वहां यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अवैध कारोबार दोबारा शुरू न हो।

सप्त कार्रवाई कहीं, सवाल कहीं और!

जिले में गांजे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई सामने आने के बावजूद यदि अलग-अलग क्षेत्रों में बिक्री की शिकायतें बनी रहती हैं, तो यह पुलिस की निगरानी और कार्रवाई की निरंतरता पर सवाल खड़े करता है। आखिर अवैध कारोबार करने वालों तक गांजा पहुंच कैसे रहा है? इसकी आपूर्ति कहां से हो रही है? क्या स्थानीय स्तर पर इसकी बिक्री करने वालों की पहचान नहीं हो पा रही है, या फिर कार्रवाई के बाद भी यह धंधा दोबारा शुरू हो जाता है?

इन सवालों का जवाब जांच और तथ्यों के आधार पर सामने आना जरूरी है। साथ ही, यदि किसी क्षेत्र में पुलिस या प्रशासन के संरक्षण में अवैध कारोबार चलने की शिकायत मिलती है, तो उसकी भी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हालांकि, बिना प्रमाण किसी अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

पीड़ित परिजनों की मांग पर स्वास्थ्य मंत्री की तत्काल लगी मुहर, बिहारपुर स्वास्थ्य केंद्र के लिए नई एम्बुलेंस की मंजूरी, दो दिनों में बिहारपुर पहुंच जाएगी एंबुलेंस

बस हादसे के बाद बिहारपुर को एंबुलेंस की सौगात, कठौतिया-जनकपुर सड़क के लिए 304 करोड़ स्वीकृत

एक सत बुलेटिन ■ मनेंद्रगढ़





मनेंद्रगढ़-केल्हारी बस हादसे के बाद बिहारपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं और सड़कों की बदहाल स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया है। हादसे में मृतकों के परिजनों से मुलाकात के दौरान क्षेत्र के लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से बिहारपुर स्वास्थ्य केंद्र के लिए एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग की। परिजनों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने तत्काल एंबुलेंस की मंजूरी दी और दो दिनों के भीतर स्वास्थ्य केंद्र को नई एंबुलेंस उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने मनेंद्रगढ़-केल्हारी - जनकपुर मार्ग को सुगम बनाने के लिए लगभग 98 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना के लिए करीब 304 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिलने की जानकारी भी दी। मंत्री के अनुसार, आगामी डेढ़ महीने के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सड़क निर्माण कार्य शुरू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

बिहारपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगी मजबूती

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि बिहारपुर बस हादसे के घटनास्थल के आसपास का क्षेत्र है। यहां से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए लगभग 25 से 30 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। पहाड़ी और जंगलों से होकर गुजरने वाले रास्तों के कारण आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसी समस्या को देखते हुए बिहारपुर स्वास्थ्य केंद्र के लिए नई एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मंजूरी दी गई है। मंत्री ने दो दिनों के भीतर एंबुलेंस उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इससे दुर्घटना, गंभीर बीमारी और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में सहायता मिलने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता बेहद जरूरी है। आपातकालीन स्थिति में समय पर उपचार मिलने से मरीजों की जान बचाने में मदद मिल सकती है। ऐसे में स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों को आवश्यक संसाधनों से मजबूत करना महत्वपूर्ण है।

98 किलोमीटर लंबी कठौतिया-जनकपुर सड़क के लिए 304 करोड़ रुपये स्वीकृत

हादसे के बाद क्षेत्र की सड़क व्यवस्था का मुद्दा भी चर्चा में आया। स्वास्थ्य मंत्री ने मनेंद्रगढ़-केल्हारी-जनकपुर मार्ग को लोगों की मांग के अनुरूप सुगम बनाने के लिए लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 98 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए करीब 304 करोड़ रुपये की राशि कठौतिया-जनकपुर के लिए स्वीकृत हो चुकी है

मंत्री के अनुसार, आगामी डेढ़ महीने के भीतर सड़क निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस परियोजना से संबंधित मार्ग पर आवागमन को बेहतर बनाने और क्षेत्र के लोगों को आने-जाने में होने वाली परेशानियों को कम करने की अपेक्षा है।

मनेंद्रगढ़-केल्हारी मार्ग क्षेत्र के ग्रामीणों और अन्य यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। सड़क की स्थिति बेहतर होने से सामान्य आवागमन के साथ-साथ मरीजों को अस्पताल पहुंचाने, दुर्घटना के समय राहत कार्यों और आवश्यक सेवाओं की पहुंच में भी सुविधा मिल सकती है। खराब मार्गों पर तत्काल मुरूम डालने के निर्देश मृतकों के परिजनों से मुलाकात के दौरान क्षेत्र के कई मार्गों की खराब स्थिति का विषय भी सामने आया। ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। विशेषकर पहाड़ी और जंगलों से होकर गुजरने वाले रास्तों पर खराब सड़कें आपातकालीन सेवाओं की पहुंच को प्रभावित कर सकती हैं। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने मौके पर मौजूद जिला कलेक्टर को संबंधित मार्गों पर तत्काल मुरूम डालकर उन्हें आवागमन योग्य बनाने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को तात्कालिक राहत पहुंचाना और मरीजों तथा घायलों को अस्पताल तक ले जाने में आने वाली कठिनाइयों को कम करना है। स्वास्थ्य सेवाओं और सड़क संपर्क पर एक साथ जोर केल्हारी बस हादसे के बाद सामने आई समस्याओं ने बिहारपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं और सड़क संपर्क की आवश्यकता को फिर रेखांकित किया है। एक ओर बिहारपुर स्वास्थ्य केंद्र के लिए एंबुलेंस की मंजूरी दी गई है, वहीं दूसरी ओर कठौतिया-जनकपुर मार्ग की लगभग 98 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना के लिए करीब 304 करोड़ रुपये की स्वीकृति और आगामी डेढ़ महीने में टेंडर की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी गई है।

डब्बाकोंटा पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी, ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत



'वोट बचाओ, देश बचाओ' जनसभा में निर्दोष आदिवासियों की रिहाई समेत जनहित के मुद्दे उठाएंगे जिला कांग्रेस कमेटी के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत आयोजित विशाल जनसभा में शामिल होने कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी डब्बाकोंटा पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया।जनसभा के माध्यम से क्षेत्र के निर्दोष आदिवासियों की रिहाई सहित जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी सभा को संबोधित कर क्षेत्र की समस्याओं और अभियान के उद्देश्यों पर अपनी

देवमती को मिनी माता महतारी जतन योजना से मिला आर्थिक संबल



एक सत बुलेटिन ■ गौरेला पेंड्रा मरवाही,

छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी मिनी माता महतारी जतन योजना जरूरत मंद श्रमिक परिवारों के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। इस योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत कोरजा की श्रीमती देवमती को मिनी माता महतारी जतन योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। यह राशि उनके लिए आर्थिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। योजना से मिली इस सहायता ने उन्हें राहत प्रदान की और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग दिया।देवमती ने छत्तीसगढ़ शासन की इस जनहितकारी पहल के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान करने और उनके जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

महाविद्यालय में जुटेंगे देश भर के प्रख्यात विचारक

पूर्व विधायक विद्याभूषण ठाकुर की स्मृति व्याख्यान माला 28 को

एक सत बुलेटिन ■ डोंगरगांव



नगर के शासकीय उपाधि महाविद्यालय में आगामी 28 अक्टूबर बुधवार को समाजवादी आंदोलन के प्रमुख स्तंभ, पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन के अग्रणी नेता एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय विद्याभूषण ठाकुर की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्मृति विद्याभूषण एक चर्चा पर व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम को लेकर उनके सुपुत्र डॉ.प्रियांक ठाकुर के द्वारा डोंगरगांव प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता लेकर आयोजन के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम दोपहर 2 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय, डोंगरगांव के सभागार में आयोजित होगा. इस गरिमामयी कार्यक्रम में देश के प्रमुख रूप से समाजवादी विचार व पूर्व मंत्री रमाशंकर सिंह ग्वालियर, डॉ.राममनोहर लोहिया के विचारों के संवाहक एवं गांधीवादी चिंतक कैलाश रावत लेखक निवाड़ी मध्यप्रदेश, वरिष्ठ अधिवक्ता व रंगकर्मी विभूति झा मंडला, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश शुक्ला लखनऊ, पूर्व विधायक प्रदीप चौबे समाजवादी चिंतक दुर्ग सहित अन्य विचारकों को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है. वहीं कार्यक्रम में प्रदेश सहित डोंगरगांव क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों व वरिष्ठजनों को आमंत्रित किया गया है. उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के राजनीति, समाजशास्त्र और इतिहास के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है. इस दौरान कार्यक्रम में वक्ताओं के विचार और स्व.विद्याभूषण ठाकुर की स्मृतियों को साझा किया जायेगा और उनसे जुड़े यादगार पलों को चित्र और विडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया जायेगा. श्री ठाकुर ने इस गरिमामय अवसर पर आयोजन का लाभ लेने कहा है.

बता दें कि इस व्याख्यान माला के माध्यम से स्वर्गीय विद्याभूषण ठाकुर के जनहितकारी संघर्ष, समाजवादी दर्शन, जनसेवा के प्रति समर्पण तथा पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन में उनके अमूल्य योगदान को याद किया जाएगा।

जामदवारी घाट हादसाः घायलों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे पूर्व विधायक गुलाब कमरो, मुआवजे की मांग

एक सत बुलेटिन ■ बैकुंठपुर/कोरिया

जामदवारी घाट में आज सुबह हुए सड़क हादसे में घायल खोंगापानी कोल दफाई निवासी लोगों का हालचाल जानने पूर्व विधायक गुलाब कमरो अपने साथियों के साथ जिला अस्पताल बैकुंठपुर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने चिकित्सकों से मुलाकात कर घायलों के उपचार की जानकारी ली। उन्होंने दूरभाष के माध्यम से भी चर्चा करते हुए घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही, ताकि सभी घायलों को समय पर उचित उपचार मिल सके।

पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग

हादसे में प्रभावित लोगों और मृतकों के परिजनों की स्थिति को देखते हुए पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना से प्रभावित परिवारों को इस कठिन समय में सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक है।

6 वर्षीय ज्ञानवी की सूझबूझ की सराहना



हादसे के दौरान छह वर्षीय बच्ची ज्ञानवी ने अपनी हिम्मत और समझदारी का परिचय दिया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में मौजूद ज्ञानवी ने समय रहते मोबाइल फोन के माध्यम से अपने परिजनों को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन तत्काल घटनास्थल पर पहुंच सके। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने बच्ची ज्ञानवी से भी मुलाकात की और उसकी हिम्मत, समझदारी तथा तत्परता की सराहना की। इतनी कम उम्र में संकट की घड़ी में सूझबूझ दिखाते हुए परिजनों को सूचना देना सराहनीय है।



लेदरी में 12 टीमों के 569 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन से बटोरीं सुर्खियां

सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह में पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

एक सत बुलेटिन ■ एमसीबी, लेदरी

एमसीबी जिले के लेदरी में आयोजित दो दिवसीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता का समापन उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ हुआ। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल तथा जिले की कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े शामिल हुईं। प्रतियोगिता में 12 टीमों के कुल 569 खिलाड़ियों ने भाग लेकर विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा, शारीरिक क्षमता और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन ने ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के साथ युवाओं में खेल के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत किया।

विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

लेदरी में आयोजित इस खेल महाकुंभ के दौरान दौड़, रस्साकशी, भाला फेंक, एकल दौड़ और समूह दौड़ सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दो दिनों तक चले आयोजन में खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रत्येक मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह और अपनी टीम को जीत दिलाने का जज्बा आयोजन को खास बनाता रहा। प्रतियोगिता में बालिकाओं ने विशेष रूप से शानदार



प्रदर्शन किया और कई मुकाबलों में जीत हासिल कर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। रस्साकशी जैसे ताकत और सामूहिक तालमेल वाले खेल में भी बालिकाओं ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। उनके प्रदर्शन ने यह संदेश दिया कि उचित अवसर, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलने पर बेटियां भी खेल के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकती हैं। बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद शुरू हुआ सरगुजा ओलंपिक = मंत्री समापन समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद सरगुजा ओलंपिक की शुरुआत की गई है। सरगुजा संभाग में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक ऐसे युवा खिलाड़ी हैं, जिन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच और अवसर की आवश्यकता है। सरगुजा ओलंपिक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिल रहा है।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी सरगुजा संभाग से आते हैं और इस क्षेत्र में खेलों को प्रोत्साहित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके जरिए युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, मेहनत, आपसी सहयोग और टीम भावना जैसे गुण भी विकसित होते हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजनाः कांकेर में दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू, दूरस्थ गांवों को मिलेगी परिवहन सुविधा



मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजनाः कांकेर में दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू, दूरस्थ गांवों को मिलेगी परिवहन सुविधा

परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भानुप्रतापपुर-कोरर और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बसों को दिखाई हरी झंडी

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भानुप्रतापपुर-कोरर और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बसों को दिखाई हरी झंडी

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत कांकेर जिले के दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू की गई है। परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भानुप्रतापपुर-कोरर और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से वनांचल के 40 से अधिक गांवों के लोगों को नियमित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, हाट-बाजार और शासकीय कार्यों के लिए आवागमन में सहूलियत होगी।

परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से ऐसे गांव भी सार्वजनिक परिवहन से जुड़ रहे हैं, जहां पहले नियमित बस सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इससे ग्रामीणों को विकासखंड मुख्यालय, अस्पताल, विद्यालय और बाजार तक पहुंचने में आसानी हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवहन का विस्तार केवल आवागमन की सुविधा नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों को विकास के नए अवसरों से जोड़ने का माध्यम भी है।

कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने कहा कि सुदूर अंचलों तक शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश के 309 पारंपरिक वैद्यों को मिला प्रमाण पत्र

एक सत बुलेटिन ■ रायपुर

पारंपरिक वैद्यों का ज्ञान अमूल्य विरासत, आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षण जरूरी-वन मंत्री श्री केदार कश्यप

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और औषधीय ज्ञान के संरक्षण की दिशा में प्रदेश के 6 जिलों के 309 पारंपरिक वैद्यों को स्वैच्छिक प्रमाणन के अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोण्डागांव में आयोजित कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने वैद्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। बोर्ड ने 31 मार्च 2027 तक प्रदेश के एक हजार पारंपरिक वैद्यों के प्रमाणन का लक्ष्य रखा है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में हमारी सरकार पारंपरिक चिकित्सा



पद्धतियों और वन्य औषधियों के संरक्षण हेतु पूरी तरह संकल्पित है। हमारी यह स्वास्थ्य परंपरा पूरे छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर है। पारंपरिक वैद्यों का ज्ञान औषधीय वनस्पतियों की पहचान और पीढ़ियों के अनुभवों पर आधारित है। इस ज्ञान का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कर इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर देते हुए अधिकारियों को पंचायतों की उपलब्ध भूमि, घरों की बाड़ियों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर इनके रोपण को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्थानीय वन उत्पादों, औषधीय पौधों और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की बेहतर ब्रांडिंग, प्रसंस्करण और विपणन से ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने साल बीज सहित अन्य वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर कार्य करने और कोदो, कुटकी और रागी जैसे पारंपरिक अनाज के पोषण संबंधी महत्व को रेखांकित करते हुए इनके उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में पारंपरिक वैद्य तथा वन विभाग एवं औषधि पादप बोर्ड के अधिकारी उपस्थित थे।

छठवीं की पिंकी ने सुनाया 30 का पहाड़ा, गोयनी में बच्चों संग दोना-पत्तल में कलेक्टर ने किया भोजन

रायपुर, सोनहत विकासखंड के दूरस्थ गांवों के दौरे पर पहुंचीं कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने शुक्रवार को विद्यार्थियों से संवाद किया और शिक्षकों को बच्चों का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी याद दिलाई।

धनपुर में कक्षा छठवीं की छात्रा पिंकी ने 30 का पहाड़ा सुनाया, तो गोयनी में कलेक्टर ने स्कूली बच्चों के साथ बैठकर दोना-पत्तल में भोजन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा है और उनके अपने सपने हैं। सही मार्गदर्शन मिलने पर वे परिवार और समाज का नाम रोशन कर सकते हैं।दौरे के दौरान गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व की संचालक सुश्री श्वेता कम्बोज, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री योगेंद्र श्रीवास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।बच्चों से किए सवाल-जवाब, शिक्षकों से कहा-सपनों को समझेंधनपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में कलेक्टर ने प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से बातचीत कर उनके सीखने के स्तर को जाना।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हितग्राही श्री मानकचंद पींचा पिता श्री मगनमल पींचा एवं श्रीमती चंचल देवी पींचा पति श्री मानकचंद पींचा को भवन/भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी.-134, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, द्वारा आबंटित / नामांतरित किया गया हैं, हितग्राही द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड अधिकार में संपरिवर्तन हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर मय दस्तावेज, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 रायपुर

विवेक शर्मा स्टार नाईट ने बांधा समां, रात 4 बजे तक डटे रहे हजारों दर्शक

नगर पंचायत भटगांव में पत्रकार दशहरा उत्सव धूमधाम से सम्पन्न, 31 फीट रावण का हुआ दहन

एक सत बुलेटिन ■ भटगांव

नगर भटगांव में पत्रकार दशहरा उत्सव समिति द्वारा आयोजित भव्य दशहरा उत्सव कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से सम्पन्न हुआ। दशहरा मैदान में शाम 7 बजे रावण दहन और मंच पर राम-रावण के नाटकीय मंचन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद रात्रि 10 बजे से सुप्रसिद्ध गायक विवेक शर्मा के स्टार नाईट कार्यक्रम ने पूरी रात दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष व पार्षद वार्ड क्रमांक 1 प्रवेश दुबे सहित समस्त पार्षद और सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इन सभी अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का



शुभारंभ किया गया।

शाम 7 बजे हुआ रावण दहन, लोटस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया राम-रावण का मंचन शाम होते ही दशहरा मैदान में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। ठीक शाम 7 बजे मंच पर राम-रावण के नाटकीय मंचन की



शुरुआत हुई। इस मंचन को लोटस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रस्तुत किया, जो इस कार्यक्रम का सबसे भावुक और आकर्षक हिस्सा रहा।बच्चों ने राम, सीता, लक्ष्मण, वीर हनुमान और रावण के पात्रों को बखूबी निभाया। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा जब राम-रावण संवाद और युद्ध का मंचन किया गया तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विशेष रूप से हनुमान जी की भूमिका निभा रहे बच्चे ने अपने अभिनय से सभी का दिल जीत लिया। मंचन के बाद भगवान श्रीराम के द्वारा 31 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। जैसे ही रावण के



पुतले में आग लगी, वैसे ही आतिशबाजी शुरू हो गई और ÷जय श्री राम÷ के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा। यह दृश्य देखकर लोगों में बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्साह देखने को मिला।

रात्रि 10 बजे से शुरू हुआ विवेक शर्मा स्टार नाईट रावण दहन के बाद कार्यक्रम के दूसरे चरण यानी स्टार नाईट की शुरुआत हुई। रात्रि 10 बजे से रायपुर से आये सुप्रसिद्ध गायक विवेक शर्मा ने अपनी प्रस्तुति शुरू की। मंच पर आते ही उन्होंने अपने प्रसिद्ध भक्ति गीत ÷मोर दुर्गा दुलौलिन ओ÷ से शुरुआत की। जैसे ही विवेक शर्मा ने यह गीत गाया, वैसे ही खचाखच भरी 8-10 हजार दर्शकों की भीड़ ने तालियों की गूंज से उनका स्वागत किया। पूरा दशहरा मैदान दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था, पैर रखने तक की जगह नहीं थी। 5 हजार दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था किया गया था जिससे दर्शकों ने इस व्यवस्था को काफ़ी सराहा. भक्ति गीतों और छत्तीसगढ़ी गानों का रहा समागम इस स्टार नाईट कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें भक्ति गीतों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुपरहिट गानों का भी समागम रहा। विवेक शर्मा ने एक के बाद एक ऐसे गीत पेश किये कि दर्शक झूमने पर मजबूर हो गये। उन्होंने ÷जय माता दी÷, ÷तोर बिना÷, ÷मया के गीत÷ जैसे कई प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गीत गाए। उनके गीतों पर युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सभी नाचते हुए नजर आये। डीजे और साउंड की बेहतरीन व्यवस्था ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया था।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हितग्राही श्री पूनम चन्द्र वर्मा पिता श्री प्रेमलाल वर्मा को भवन/भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी. 135, टाटीबंध, रायपुर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, द्वारा आबंटित / नामांतरित किया गया हैं, हितग्राही द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड अधिकार में संपरिवर्तन हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर मय दस्तावेज, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सपदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 रायपुरी

न्यूज इन शॉर्ट



बारिश थमते ही सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में आई तेजी

धमतरी,मानसून की विदाई के साथ ही जिले में सड़कों के निर्माण, मरम्मत एवं संधारण कार्यों में तेजी आई है। आम नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न मार्गों पर चल रहे कार्यों को गति दी जा रही है। बारिश के कारण प्रभावित हुए निर्माण कार्यों को अनुकूल मौसम में तेजी से पूरा करने के साथ ही सड़कों की गुणवत्ता और टिकाऊपन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत राजनांदगांव-गुंडरदेही राज्य मार्ग पर डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है। वहीं, कोलियारी-खरेंगा-दोनर-जोरातराई मार्ग पर भी निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इन मार्गों पर जारी कार्यों से सड़क अधोसंरचना को बेहतर बनाने तथा क्षेत्र में आवागमन को अधिक सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की जा रही है।लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा दोनों मार्गों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया गया कि सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों, स्वीकृत प्राक्कलन एवं गुणवत्ता संबंधी प्रावधानों के अनुरूप किए जाएं। साथ ही, निर्माण कार्यों में आवश्यक सावधानियां बरतते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए।

विभाग द्वारा निर्माण कार्यों के दौरान सड़क की सतह की गुणवत्ता, डामरीकरण की उपयुक्तता तथा कार्यों की तकनीकी शुद्धता पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि निर्मित सड़कों का लंबे समय तक बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके। निर्माण स्थलों पर यातायात की सुचारु व्यवस्था एवं सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा का ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सड़कों का बेहतर रखरखाव और गुणवत्तापूर्ण निर्माण ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क को मजबूत करने के साथ-साथ आमजन, किसानों, विद्यार्थियों और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आवागमन को सुविधाजनक बनाता है। लोक निर्माण विभाग द्वारा कार्यों की नियमित निगरानी के माध्यम से सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने और नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को दिए गए सम -सामयिक सलाह

उत्तर बस्तर कांकेर, आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिए कृषि सलाह जारी की गई है। किसानों से अपील की गई है कि वे मौसम की स्थिति को देखते हुए आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाएं, ताकि संभावित नुकसान से बचा जा सके।

पकी फसलों की कटाई फिलहाल टालने की सलाह

कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि धान, दलहन एवं तिलहन की खड़ी फसलें पकने की अवस्था में हैं, तो आगामी 2 से 4 दिनों तक कटाई टालें। जिन किसानों ने फसल की कटाई शुरू कर दी है, वे कटी हुई फसल को शीघ्र सुरक्षित स्थान पर रखें। खेतों में अतिरिक्त पानी की निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा फसलों की नियमित निगरानी करें। कीट या बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद ही कीटनाशक अथवा कवकनाशक का छिड़काव करें।

उतेरा फसल के रूप में तिवरा या अलसी की बुवाई करने वाले किसानों को कुछ दिनों तक बुवाई स्थगित रखने की सलाह दी गई है। वहीं, रबी फसल लेने के इच्छुक किसान नवंबर के प्रथम सप्ताह से बुवाई शुरू कर सकते हैं।

*सब्जियों एवं फलदार पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय*वर्षा एवं तेज हवा की संभावना को देखते हुए किसानों को करेला, लौकी सहित अन्य कद्दूवर्गीय बेल वाली सब्जियों में सहारा देने की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। केले के जिन पौधों में फूल एवं फल आ चुके हैं, उन्हें बांस से सहारा दें, ताकि तेज हवा से पौधों को नुकसान न हो। भारी से अति भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों से जल निकासी की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करें।कृषि विभाग ने फूलगोभी, ब्रोकली, चुकंदर, पछेती खीरा एवं पछेती करेला सहित रबी मौसम की सब्जियों की बुवाई नवंबर के प्रथम सप्ताह से करने की सलाह दी है। ओलावृष्टि की स्थिति में नुकसान से बचाव के लिए उपलब्धता के अनुसार बागवानी एवं सब्जियों की फसलों में ओलावृष्टिरोधी जाली का उपयोग करने की सलाह भी दी गई है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण

बच्चों से आत्मीय संवाद कर पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने जिला बस्तर के दरभा विकासखंड के ग्राम कोटमसर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पेदावाड़ा मांझीपाल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा नन्हें बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनसे बातचीत की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और बेहतर देखभाल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सुरक्षित और स्नेहपूर्ण वातावरण के साथ जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनके समुचित पोषण और विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

मंत्री ने केंद्र की व्यवस्थाओं को बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि



आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक देखभाल की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। यहां बच्चों को बेहतर सुविधाएं और आत्मीय वातावरण मिले, इसके लिए सतत निगरानी और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना चाहिए।

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना केरता में गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

कलेक्टर ने किसानों से किया सीधा संवाद, गन्ना उत्पादन एवं रकबा बढ़ाने किसानों को किया प्रोत्साहित

संवाददाता ➤ सूरजपुर

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना केरता में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गन्ना उत्पादन, रकबा विस्तार, रिकवरी बढ़ाने, किसानों को समय पर भुगतान तथा कारखाने के सुचारू संचालन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, अनुविभागीय अधिकारी श्री रमेश मोर,कारखाना प्रबंधन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान उपस्थित रहे।

चौपाल के दौरान कलेक्टर ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। किसानों ने गन्ने के भुगतान में देरी, खेती की बढ़ती लागत, श्रमिकों की उपलब्धता तथा कारखाने के संचालन से जुड़ी समस्याएं रखीं। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि शासन के निर्धारित नियमों के अनुरूप क्रियान्वयन की जाएगी। उन्होंने किसानों को शासन द्वारा 355 रुपये से बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि दर के बारे में अवगत कराया तथा शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि गन्ना उत्पादक किसान शक्कर कारखाने के अभिन्न अंग हैं। किसानों के सहयोग एवं उत्पादन पर ही कारखाने का संचालन निर्भर करता है। उन्होंने जिले में गन्ने के घटते उत्पादन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में लगभग 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती थी, जो घटकर लगभग 6 हजार हेक्टेयर रह गई है।

उन्होंने कहा कि कारखाने की स्थापित क्षमता का वर्तमान में 50 प्रतिशत भी उपयोग नहीं हो पा रहा है। पर्याप्त मात्रा में गन्ने की उपलब्धता सुनिश्चित होने से कारखाने का संचालन अधिक दिनों तक किया जा सकेगा, जिससे किसानों के साथ स्थानीय श्रमिकों को भी लाभ मिलेगा। वर्तमान में लगभग 600 श्रमिकों को तीन माह तक रोजगार मिल पा रहा है, जबकि कारखाने का पूर्ण क्षमता से संचालन होने पर रोजगार की अवधि छह माह तक बढ़ सकती है।

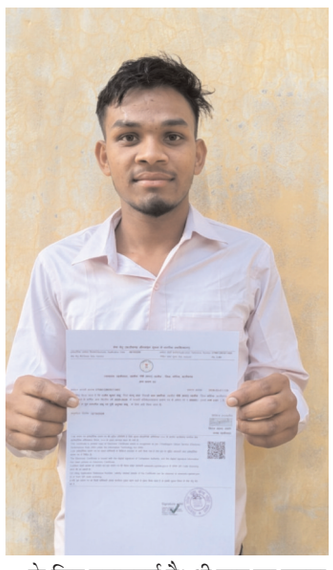
सेवा सेतु से आसान हुई राह, तीन दिन में जारी हुआ आय प्रमाण पत्र

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बच्चों की छात्रवृत्ति के लिए आवश्यक आय प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आसान हुई है। पोंडी बचरा क्षेत्र के ग्राम सकरिया निवासी श्री राजीव कुमार साहू को सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन करने के तीन दिन के भीतर आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। समय पर दस्तावेज उपलब्ध होने से उन्हें बच्चों की छात्रवृत्ति संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने में सहूलियत मिली है।

श्री साहू ने अपने पुत्र स्वप्निल साहू तथा पुत्री अनुष्का साहू की छात्रवृत्ति के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु 9 अक्टूबर 2026 को लोक सेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत किया था। सेवा सेतु पोर्टल पर प्राप्त आवेदन की जांच के बाद 12 अक्टूबर 2026 को उनका आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया।

छात्रवृत्ति के आवेदन में परिवार की आय संबंधी जानकारी प्रमाणित करने के लिए आय प्रमाण पत्र एक आवश्यक दस्तावेज होता है। ऐसे में इसका समय पर उपलब्ध होना विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों



के लिए महत्वपूर्ण है। श्री साहू का प्रमाण पत्र तीन दिन में जारी होने से बच्चों की छात्रवृत्ति के लिए जरूरी दस्तावेज जुटाने का कार्य सरल हुआ। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए आवेदन करने की सुविधा मिल रही है।

धान खरीदी में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता-कलेक्टर

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी की तैयारियों को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों एवं उपार्जन समितियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राम सिंह ठाकुर, खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, समिति प्रबंधक, ऑपरेटर संबंधित जन उपस्थित रहें।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। उन्होंने खरीदी शुरू होने से पहले सभी उपार्जन केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था, आवश्यक संसाधन एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उपार्जन केन्द्रों में सूचना पटल पर आवश्यक जानकारियां प्रदर्शित करने और शासन के निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करने को कहा। जिले में इस वर्ष 60 उपार्जन केन्द्रों में खरीदी की जायेगी जिसमें नवीन उपार्जन केन्द्र तिवारागुड़ी, रामतीर्थ,



बड़सरा, बुंदिया, जजावल, दुलदुली शामिल है। कलेक्टर ने किसान पंजीयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपार्जन केंद्रों में मॉइस्चर मशीन, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बायोमेट्रिक मशीन सहित अन्य उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्रों में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों के लिए समुचित व्यवस्था रखने को कहा। साथ ही टोकन जारी करने से लेकर धान की तौल तक किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने उपार्जन केंद्रों की मैपिंग संबंधी समस्याओं का खरीदी शुरू होने से पहले निराकरण करने तथा विकासखंड स्तर पर अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण समय पर पूर्ण कराने को कहा।

सिरोही नस्ल के बकरे से बदली बृजलाल की तकदीर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

विवेकपूर्ण निर्णय, सही मार्गदर्शन और शासन की योजना का साथ मिले तो ग्रामीण क्षेत्रों में भी आर्थिक समृद्धि की नई राह खुल सकती है। कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के वनांचल ग्राम बेंदा निवासी बृजलाल मेरावी की सफलता इसकी मिसाल है। पशुधन विकास विभाग की नर बकरा वितरण योजना से मिले उन्नत सिरोही नस्ल के नर बकरे ने उनके पारंपरिक बकरी पालन को नई दिशा दी। नस्ल सुधार और बेहतर देखभाल से उनकी बकरियों की संख्या 15 से बढ़कर लगभग 30 हो गई है। वहीं, बकरी पालन से होने वाली सालाना आय 20 से 30 हजार रुपए से बढ़कर 60 से 70 हजार रुपए तक पहुंच गई है।

'योजना से मिला उन्नत नस्ल का नर बकरा'

हितग्राही श्री मेरावी का परिवार खेती-किसानी के साथ बकरी पालन पर निर्भर था। पहले उनके पास स्थानीय देशी नस्ल की 15 बकरियां थीं। मेमनों की धीमी वृद्धि और कम वजन के कारण बिक्री से सीमित आमदनी होती थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 में पशुधन विकास विभाग की नर बकरा वितरण योजना के तहत उनका चयन किया गया। पशु चिकित्सालय चिल्फी के माध्यम से उन्हें उन्नत सिरोही नस्ल का नर बकरा अनुदान पर उपलब्ध कराया गया।

'नस्ल सुधार से बढ़ा पशुधन, आय में भी इजाफा'



सिरोही नस्ल के नर बकरे से प्रजनन के बाद संकर नस्ल के मेमने प्राप्त हुए। बेहतर शारीरिक विकास और वजन से बकरी पालन की लाभप्रदता में सुधार आया। पशु चिकित्सालय चिल्फी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समय-समय पर टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं, संतुलित आहार, खनिज लवण और वैज्ञानिक रख-रखाव के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया। इसका सीधा असर अब श्री मेरावी



के पशुधन और आमदनी में दिखाई दे रहा है। बकरियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है और वार्षिक आय बढ़कर 60 से 70 हजार रुपए तक पहुंच गई है। इससे परिवार को आर्थिक मजबूती मिली है और बकरी पालन आय का महत्वपूर्ण अतिरिक्त साधन बना है। 'दूसरे पशुपालकों के लिए योजना बनी प्रेरणा' श्री बृजलाल मेरावी ने योजना से मिले लाभ के लिए छत्तीसगढ़ शासन और पशु चिकित्सालय चिल्फी के प्रति आभार जताया। उन्नत नस्ल सुधार, नियमित टीकाकरण और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियां अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आजीविका को मजबूत बनाया जा सकता है। वनांचल क्षेत्र में बकरी पालन को लाभकारी बनाने की दिशा में यह पहल अन्य पशुपालकों के लिए भी प्रेरणादायक है।

5 वाहन जब्त, 19 वाहनों के परमिट होंगे निरस्त, तैयार किए गए प्रकरण

प्रदेशभर में वाहनों की सघन जांच जारी, दो दिनों में 364 पर कार्रवाई

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा प्रदेशभर में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। बीते दो दिनों में विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 364 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 4 लाख 81 हजार 300 रुपए समन शुल्क वसूला है। गंभीर उल्लंघन के मामलों में 5 वाहन जब्त किए गए हैं। वहीं, नियम विरुद्ध संचालन पाए जाने पर 19 मामलों में वाहन परमिट निरस्त करने के लिए प्रकरण तैयार किए गए हैं, जिनमें 17 मामले रायपुर जिले के हैं।

परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश एवं अतिरिक्त परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिला परिवहन कार्यालयों द्वारा 24 एवं 25 अक्टूबर को विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना परमिट संचालित 12 वाहन, बिना फिटनेस प्रमाण पत्र के 10 वाहन, बिना बीमा के 3 वाहन और बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र के 27 वाहन पाए गए। इसके अलावा अन्य नियमों के उल्लंघन के 312 मामलों सहित कुल 364 प्रकरणों पर कार्रवाई की गई।





*जारी रहेगी जांच, वैध दस्तावेज रखने और नियमों के पालन की अपील*परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विभाग ने वाहन मालिकों और चालकों से वैध परमिट, फिटनेस, बीमा एवं प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज रखने की अपील की है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

केएल राहुल दोनों पारियों में 4 रन बना सके



एजेंसी ■ लिंकन

इंडिया ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनऑफिशियल टेस्ट के दूसरे दिन दूसरी पारी में वापसी की। पहली पारी में 113 रन पर सिमटने के बाद टीम ने 10 रन पर दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। स्टंप्स तक स्कोर 106/2 है।देवदत्त पडिक्कल 56 और साई सुदर्शन 39 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 96 रन की पार्टनरशिप हो चुकी है।केएल राहुल दोनों पारियों में 4 रन ही बना सके। राहुल पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे। जबकि यशस्वी जायसवाल दूसरी पारी में 5 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड ए ने पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी।

- न्यूजीलैंड ने शनिवार को टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी चुनी।
- न्यूजीलैंड ने शनिवार को टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी चुनी।
- मारियू ने 76 और फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन बनाए
- सुबह कीवियों ने 135/3 के स्कोर से खेला शुरू किया। न्यूजीलैंड के कप्तान राइस मारियू ने 76 रन की पारी खेली। उन्होंने 137 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौके लगाए।डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 79 गेंदों पर 51 रन बनाए। कर्टिस हीफी ने 44 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 42 रन का योगदान दिया।
- इंडिया ए की ओर से अंशुल कंबोज और औकिब नबी ने 3-3 विकेट लिए, जबकि आकाश दीप ने 2 विकेट हासिल किए।
- 5 भारतीय बैटर्स पहली पारी में खाता नहीं खोल सके
- मैच के पहले दिन शनिवार को न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की पहली पारी 39.3 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।टीम के 5 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। इनमें केएल राहुल, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप और मुकेश चौधरी शामिल रहे।
- यश राठौड़ ने सबसे ज्यादा नाबाद 44 रन बनाए, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 32 रन की पारी खेली।

भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को 121 रन से हराया



जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 48.5 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे 28 अक्टूबर को खेला जाएगा।भारत के लिए हरमनप्रीत कौर ने 121 गेंदों पर 126 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने 86 गेंदों पर नाबाद 106 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में 20 साल की बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने 39 रन देकर 4 विकेट लिए। दीप्ति ने भी 3 विकेट झटके।

नेपाल प्रीमियर लीग से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर संकट



एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेपाल प्रीमियर लीग शुरू होने से ठीक पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट की अनुमति रोक दी है। लीग की शुरुआत 26 अक्टूबर से होनी है।

खिलाड़ी के लिए करीब 25 हजार अमेरिकी डॉलर की फीस मांग सकता है। हालांकि, इस रकम की मांग को लेकर ओर से कोई लिखित सूचना होने की पुष्टि नहीं हुई है।कसी खिलाड़ी को दूसरे देश की लीग में खेलने के लिए उसके क्रिकेट बोर्ड की ओर से दी जाने वाली अनुमति है। विदेशी टी-20 लीग में खेलने के लिए केवल फ्रेंचाइजी से अनुबंध करना पर्याप्त नहीं होता। खिलाड़ी को अपने राष्ट्रीय बोर्ड की शर्तें भी पूरी करनी होती हैं।यह मामला इसलिए भी अहम है, क्योंकि हक्क सोमवार, 26 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेली जानी है। आठ टीमों की इस लीग के मुकाबले काठमांडू में होने हैं और कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ी पहले ही नेपाल पहुंच चुके हैं।रिपोर्ट में पाकिस्तान के टी-20 कप्तान साहिबजादा फरहान, हैदर अली, हुनैन शाह, हुसैन तलत, इफ्तिखार अहमद, हसन अली और उसामा मीर के नाम शामिल हैं।इनमें साहिबजादा फरहान पाकिस्तान की टी-20 टीम के कप्तान हैं।

वनडे में शादाब का नंबर-8 पर शतक; आखिरी विकेट के लिए हारिस के साथ 89 रन जोड़े

पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 1 विकेट से हराया

एजेंसी ■ लाहौर

- पाकिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को 1 विकेट से हरा दिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम 46.4 ओवर में 241 रन पर सिमट गई।
- जवाब में पाकिस्तान के 154 रन पर 9 विकेट गिर गए थे। टीम को अब भी जीत के लिए 88 रन की जरुरत थी। यहां से शादाब खान ने हारिस रऊफ के साथ नाबाद 89 रन की साझेदारी कर जीत दिला दी।
- शादाब ने नंबर-8 पर बल्लेबाजी करते हुए वनडे इंटरनेशनल की सबसे बड़ी पारी खेली। उन्होंने 96 गेंद पर नाबाद 113 रन बनाए। उनकी पारी में 13 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंच गई है। जहां उसकी भिड़ंत इंग्लैंड और श्रीलंका में से एक से होगी।



इंग्लैंड की शुरुआत खराब, डकेट ने शतक लगाया

- पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम 46.4 ओवर में 241 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए थे। इसके बाद बेन डकेट ने पारी संभाली और 111 गेंदों पर 105 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 2 छक्के लगाए।
- सैम करन ने 52 गेंदों पर 42 रन बनाए, जबकि गस एटकिंसन ने 28 गेंदों पर नाबाद 36 रन की पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से कप्तान शाहीन अफरीदी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। अराफात मिन्हास और रजाउल्लाह को 2-2 विकेट मिले।242 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने भी खराब शुरुआत की। फखर जमान 10, सैम अयूब 6 और बाबर आजम 10 रन बनाकर आउट हो गए। टीम ने 31 रन तक 3 विकेट गंवा दिए थे।

फेस्टिव सीजन में कारों का धमाका



नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो अक्टूबर में कई लॉन्चेज होने वाले हैं. फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए तमाम कंपनियों ने अपनी तैयारी कर ली हैं। टोयोटा, होंडा, हुंडई, स्कोडा और रेनो अपनी नई कारों को इस महीने मार्केट में उतारने वाले हैं। इस महीने हमें 5 मास मार्केट गाड़ियां देखने को मिलेंगी। इस लिस्ट में हैचबैक से लेकर एसयूवी और सेडान तक शामिल हैं। ऐसे में नई कार खरीदने वालों को थोड़ा इंतजार कर लेने से बेहतर विकल्प या बेहतर डील दोनों मिल सकती है।

इंडिगो में कल से सफर महंगा, फ्यूल चार्ज बढ़ाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

1300, इंटरनेशनल में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट्स मंगलवार से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में ?1300 तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में ?10,000 तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12ः01 बजे से लागू होंगी।इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था। एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।कंपनी ने किराया बढ़ाने का फैसला हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल महंगा होने की वजह से लिया है। 1 अक्टूबर से घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमत ?121 से बढ़कर अब ?137 हो गई है। यानी 1 लीटर ञ्जस्र की कीमत 16 रुपए (करीब 13.2त्न) बढ़ गई है।इंडिगो के अनुसार, पिछले एक ही महीने में जेट फ्यूल के दाम 14त्न से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इसके चलते प्लेन में डलने वाला तेल अब पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा महंगा हो गया है।



एयरलाइंस के लिए सबसे बड़ा खर्च होता है जेट-फ्यूलजेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनियाभर की एयरलाइंस ने न सिर्फ टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस लिया है। एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। से 40त्न होती है।

अब बिना कोर्ट-ऑर्डर अरेस्ट नहीं कर पाएंगे; GST कानून में सुधार की तैयारी

टैक्स अधिकारियों से छिनेगा गिरफ्तारी का अधिकार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल 7 अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है।सितंबर 2025 में हुए रेट रेशनलाइजेशन यानी त्रस्ज्ञ दरों में बदलाव के बाद सरकार अब नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी के तहत टैक्स प्रशासन को आसान बनाने और कारोबारियों को राहत देने पर काम कर रही है।ताव लाया जा रहा है?

जवाबः नए प्रस्ताव के तहत सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 में संशोधन की तैयारी है। अब तक कमिश्नर लेवल की मंजूरी मिलने पर जीएसटी अधिकारी किसी व्यक्ति को सीधे गिरफ्तार कर सकते थे।नए बदलाव के बाद



अधिकारियों से यह पावर वापस ले ली जाएगी। अब किसी भी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट (न्यायिक मंजूरी) का आदेश अनिवार्य होगा।

सवालः क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स की सीमा में क्या बदलाव होगा?

जवाबः वर्तमान में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी या फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम के मामलों में आपराधिक कार्रवाई और गिरफ्तारी की व्यवस्था है।

प्रस्ताव के अनुसार, क्रिमिनल केस चलाने की इस लिमिट को ?1 करोड़ से बढ़ाकर सीधे ?5 करोड़ करने की सिफारिश की गई है। यानी ?5 करोड़ से कम के मामलों में आपराधिक केस दर्ज नहीं होगा।

सवालः क्या रूटीन टैक्स विवादों में भी अब जेल जाना पड़ सकता है?

जवाबः नहीं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन या इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूटीन विवादों को क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स के दायरे से बाहर रखा जाएगा।कई बार किसी एक ट्रांजैक्शन की परिभाषा को लेकर बिजनेस और टैक्स अधिकारियों की राय अलग-अलग हो सकती है, ऐसे मामलों को अब क्रिमिनल ऑफेंस नहीं माना जाएगा।सवालः जीएसटी अधिकारियों से अरेस्ट पावर वापस लेने की मुख्य वजह क्या है?

जवाबः जब 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू हुआ था, तब फेक इनवॉइस और टैक्स चोरी पकड़ने के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम मजबूत नहीं था। इसलिए गिरफ्तारी का डर जरूरी था। अब जीएसटी का सिस्टम बहुत मजबूत हो चुका है।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील की बातचीत में अब ज्यादा गुंजाइश नहीं



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत ऐसी जगह पर आकर अटक गई है, जहां से आगे बढ़ना दोनों देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग के दौरान यह बात कही। ।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बात उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां न तो भारत और छूट देने को तैयार है, और न ही अमेरिका। वित्त मंत्री ने कहा फिर भी अगर आगे बातचीत का कोई नया रास्ता निकलता है या गुंजाइश बनती है, तो दोनों देश उस पर बात करने के लिए तैयार हैं।

व्यापार समझौते में हर देश चाहता है कि उसके किसानों, कंपनियों और व्यापारियों का नुकसान न हो। एक हद के बाद कोई भी देश अपनी शर्तों से पीछे नहीं हटना चाहता। इसका मतलब यह नहीं है ।



विदेशी साजिशों' की राजनीति

'विदेशी ताकतों की साजिश' एक राजनीतिक मुहावरा बन कर रह गया है। यह आज की राजनीति में ही नहीं, बल्कि इंदिरा गांधी ने भी अपने प्रधानमंत्री काल के दौरान जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई को 'सीआईए एजेंट' करार दिया था। जब जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, तब राममनोहर लोहिया सरीखे समाजवादी नेता को भी 'विदेशी एजेंट' करार दिया गया था। भारत में ऐसा कोई भी प्रधानमंत्री नहीं हुआ, जिसके कालखंड में 'विदेशी ताकतों की साजिश और हस्तक्षेप' के आरोप न लगाए गए हों। आज सत्तारूढ़ भाजपा यह आरोप नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी पर चस्पां करने में जुटी है। यहां तक बयान दिए गए हैं कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं, वहां संदिग्ध लोगों से मिलते हैं, उनके साथ साजिशें तैयार करते हैं और फिर भारत लौट कर देश-विरोधी एजेंडा लागू करते हैं। यह राजनीति मुद्दाहीन, नागरिक समस्याओं और संकटों से विरक्त और देश को स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में एक कदम आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का नाम नहीं लिया, लेकिन एक सार्वजनिक मंच से कहा कि 'फेल्ड प्रॉडक्ट' को लॉन्च करने के लिए कुछ लोग देश की प्रतिष्ठा को ही मिट्टी में मिला देने पर तुले हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर कांग्रेस को 'परजीवी' करार दिया और कहा कि कांग्रेस के एक परिवार से ही पार्टीवाले परेशान और दुखी हैं। कांग्रेस नेता जब अकेले में मिलते हैं, तो वे अपनी पीड़ा और अन्याय बयां करते हैं। आखिर एक ही 'फेल्ड प्रॉडक्ट' को कितनी बार लॉन्च किया जाएगा? इतनी लॉन्चिंग तो श्रीहरिकोटा में भी नहीं होती, जितनी कांग्रेस में एक ही आदमी की हुई है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया जानती है कि कांग्रेस में वह परिवार और चेहरा कौन है और 'फेल्ड प्रॉडक्ट' किसे कहा जा रहा है? देश में आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। राहुल गांधी की राजनीति को 'अराजक', 'हंगामाखेज' और 'तोड़फोड़ वाली' करार दिया जा रहा है।

(एक नजर)

सिंह राशि में गुरु का प्रवेश बदलेगा भाग्य

नवंबर का महीना कुछ राशि के जातकों के लिए आर्थिक मामलों में नई उम्मीदें लेकर आ सकता है। नौकरी में तरक्की, आमदनी के नए रास्ते और कारोबार में मुनाफे के अवसर मिलने की संभावना जताई जा रही है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को देवगुरु बृहस्पति सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। गुरु को ज्ञान, भाग्य, समृद्धि और विस्तार का कारक माना जाता है, जबकि सिंह राशि नेतृत्व, आत्मविश्वास और प्रतिष्ठा से जुड़ी है। ऐसे में इस गोचर का असर कुछ राशियों के करियर और आर्थिक स्थिति पर देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं किन 5 राशियों के लिए गुरु का यह राशि परिवर्तन शुभ माना जा रहा है। मेष राशि- आय बढ़ने के बन सकते हैं योग मेष राशि वालों के लिए गुरु का गोचर आर्थिक मामलों में सकारात्मक रह सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना बन सकती है। आमदनी बढ़ाने के लिए नए अवसरों पर काम करने का मौका मिल सकता है। परिवार में भी सुखद माहौल रहने की उम्मीद है। सिंह राशि- मजबूत हो सकती है आर्थिक स्थिति राशि में ही गुरु का प्रवेश होने से इस राशि के जातकों के आत्मविश्वास में वृद्धि होने की मान्यता है।

विचार

आखिर क्यों धधक रहा है फांस और अन्य यूरोपीय देश

कमलेश पांडे

लेकख

लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती।



भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं।यूरोप में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ टकराव को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं समझा जा सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक असंतोष, सामाजिक विभाजन, आव्रजन और एकीकरण की बहस, राजनीतिक ध्रुवीकरण, युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का संकट जैसे कई कारक हो सकते हैं।लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आत्ताइयों के हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सोच अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं।इस सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया। प्रारंभिक असंतोष स्कूलों की खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महँगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए।खिर पेरिस सहित कई शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव हुए। सरकार को बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात करने पड़े और कुछ क्षेत्रों में रात्रिकालीन कर्फ्यू प्रतिबंध लगाए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों और हिंसा के पूर्वानुमान में कमियों को भी स्वीकार किया।इसी समय इटली में भी जीवन-यापन की लागत, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के बीच प्रदर्शन हिंसक हुए। स्पेन और पुर्तगाल में आवास की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालांकि, इन सभी घटनाओं के कारण और उनका स्वरूप अलग-अलग हैं। पहला, महँगाई, आवास और आर्थिक असुरक्षा- जब किराया, ऊर्जा, परिवहन और रोजमर्रा के खर्च बढ़ते हैं, लेकिन आय और रोजगार के अवसर उसी गति से नहीं बढ़ते, तो लोगों में व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ सकती है। युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन की संभावनाएँ सीमित महसूस होना इस असंतोष को और बढ़ा सकता है।दूसरा, सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव- स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जर्जर सुविधाएँ और स्थानीय सेवाओं की कमजोर स्थिति नागरिकों को यह महसूस करा सकती है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल रही। फ्रांस के हालिया आंदोलन में शिक्षा से जुड़ी शिकायतें शुरुआती मुद्दों में शामिल थीं।तीसरा, सामाजिक अलगाव और अवसरों में असमानता- कुछ शहरी और वंचित इलाकों में कमी असंतोष को गहरा सकती है। यदि नागरिकों को लगता है।

विचार

इकोनोमिक फ्यूचर को लेकर डर और चिंता व्याप्त,

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

लेखक

व्यापक विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा भी हुई। पेरिस में दुकानों को लूटा गया और कारों को जला दिया गया। इसके अलावा, टाउन हॉल जैसी सार्वजनिक इमारतों—जिनमें लिले शहर की कुछ ऐतिहासिक इमारतें भी शामिल थीं, उन्हें भी निशाना बनाया गया। इस बात से कोई इनकार नहीं कर रहा है कि प्रदर्शनकारियों का गुस्सा ठीक वैसे ही जैसे पहले छात्रों का था। जायज था। लेकिन राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जिनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल मई 2027 में समाप्त हो रहा है, लूटपाट और आगजनी को किसी भी तरह स्वीकार नहीं करते हैं। रविवार को टीवी पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ÷इसके लिए कोई तर्क नहीं दिया जा सकता, कोई स्पष्टीकरण नहीं हो सकता और न ही कोई बहाना चल सकता है।



फ्रांस में विरोध प्रदर्शन जारी है. इस बार इसकी शुरुआत सितंबर के आखिर में हुई. उस समय हाई स्कूल के छात्र शिक्षकों की कमी और स्कूल की जर्जर इमारतों को लेकर सड़कों पर उतरे थे। यह बात अजीब लगी कि स्कूल जाने वाले युवा इतनी बड़ी संख्या में सड़कों पर आ गए। प्रदर्शन देश के दक्षिण में स्थित मार्सिले से शुरू होकर पेरिस और पूरे फ्रांस में फैल गया। कई जगहों पर किशोर प्रदर्शनकारियों और दंगा-रोधी पुलिस के बीच झड़पें हुईं। सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों का मानना था कि जीन-ल्यूक मेलेनचॉन के नेतृत्व वाली धुर-वामपंथी पार्टी, फ्रांस अनबाउड, इन प्रदर्शनों को भड़का रही थी। लेकिन मुख्य समस्या को सुलझाने की कोई योजना नहीं थी, जबकि अधिकारियों ने भी माना कि फ्रांस में लिसी के नाम से जाने जाने वाले हाई स्कूलों की हालत बहुत खराब है, खासकर शिक्षकों की कमी के कारण।सप्ताहांत के दौरान, यह राष्ट्रव्यापी विरोध और फैल गया और जीवन-यापन की लागत तथा बढ़ती कीमतों के खिलाफ एक व्यापक विरोध प्रदर्शन में बदल गया। इस दौरान सरकार ने आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। व्यापक विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा भी हुई। पेरिस में दुकानों को लूटा गया और कारों को जला दिया गया। इसके अलावा, टाउन हॉल जैसी सार्वजनिक इमारतों—जिनमें लिले शहर की कुछ ऐतिहासिक इमारतें भी शामिल थीं, उन्हें भी निशाना बनाया गया। इस बात से कोई इनकार नहीं कर रहा है कि प्रदर्शनकारियों का गुस्सा ठीक वैसे ही जैसे पहले छात्रों का था। जायज था। लेकिन राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जिनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल मई 2027 में समाप्त हो रहा है, लूटपाट और आगजनी को किसी भी तरह स्वीकार नहीं करते हैं। रविवार को टीवी पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ÷इसके लिए कोई तर्क नहीं दिया जा सकता, कोई स्पष्टीकरण नहीं हो सकता और न ही कोई बहाना चल सकता है। आज रात हम सभी को गुस्सा और शर्म महसूस हो रही है।

कट्टर दक्षिणपंथी नेता और राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार मरीन ले पेन को शायद लगता होगा कि विरोध प्रदर्शनों को संभालने में सरकार की नाकामी उनके लिए राजनीतिक रूप से फायदेमंद होगी, लेकिन उन्होंने हिंसक प्रदर्शनों की आलोचना भी की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ÷हिंसा कोई राय नहीं है।÷ आगे कहा, ÷तोड़फोड़ अपनी बात रखने का कोई तरीका नहीं है। अराजकता फ्रांस के लिए कोई भविष्य की योजना नहीं हो सकती।÷

फ्रांस के लिए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन और हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसकी जड़ें 1789 की फ्रांसीसी क्रांति में देखी जा सकती हैं, जब 14 जुलाई को प्रदर्शनकारियों की एक भीड़ ने बास्तील पर हमला कर दिया था। वहां राजनीतिक कैदियों को रखा जाता था। 14 जुलाई को बास्तील दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह राजशाही के पतन का प्रतीक है। इसलिए जब मार्सिले में भीड़ मेयर के कार्यालय में जबरन घुसती है और एक प्रदर्शनकारी चिल्लाता है, ÷यह क्रांति है, हम बास्तील पर कब्जा कर रहे हैं,÷ तो ऐसा लगता है कि प्रदर्शनकारियों के बीच इतिहास की एक ऐसी समझ झलक रही है जो शायद पूरी तरह सही नहीं है।फ्रांसीसी लोग यूरोप के बाकी लोगों से काफी अलग हैं। उनके लिए, सड़कों पर उतरकर विरोध करना बहुत स्वाभाविक बात है, जो शायद दूसरे देशों के लोगों के लिए उतनी आम बात नहीं है। छात्रों के विरोध प्रदर्शन भी उनके लिए कोई नई बात नहीं हैं। 1968 की गर्मियों में पेरिस में छात्रों के मशहूर विरोध प्रदर्शन हुए थे। यह आज भी फ्रांस में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए एक मिसाल की तरह हैं। इसके अलावा 1990, 1998 और 2006 में भी स्कूली छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए थे।2006 में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन ने ही सरकार को हायर एंड फायर (नौकरी पर रखने और निकालने) से जुड़े उस कानून को वापस लेने पर मजबूर कर दिया था। इसे राष्ट्रपति जैक्स शिराक के टाइम में पास किया गया था। फ्रांस एक अजीब स्थिति में है। उसे अपने साम्राज्यवादी अतीत की यादें हैं। उत्तरी और पश्चिमी अफ्रीका, और आज के दक्षिण-पूर्व एशिया (इंडो-चीन) में उसकी कॉलोनियां थीं, जिनमें वियतनाम, कंबोडिया और लाओस शामिल थे। कभी फ्रांस एक प्रमुख यूरोपीय शक्ति हुआ करता था। अंग्रेजों से भी कहीं ज्यादा, फ्रांसीसी लोग खुद को एक श्रेष्ठ संस्कृति और सभ्यता मानने पर गर्व करते रहे हैं। श्रेष्ठता की ये गहरी धारणाएं आज की फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था की वास्तविकता से टकराती हैं, जो यूरोप की आर्थिक महाशक्ति जर्मनी से पीछे छूट रही है।

फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्र संघर्ष कर रहे हैं, चाहे वह कृषि हो या सेवा क्षेत्र। यूरोप में फ्रांस आज भी एक बड़ा कृषि प्रधान देश बना हुआ है। यहां तक कि इसके मशहूर फैशन उद्योग को भी इतालवी ब्रांडों से कड़ी टक्कर मिल रही है। कई मायनों में, खुद फ्रांसीसी लोगों की नजरों में फ्रांस का कद गिरा है, और वहां के अधिकांश लोगों के दिलों में निराशा और गुस्सा है। उनका मानना ??है कि फ्रांस के अमीर लोग तो मजे से रह रहे हैं, जबकि आम लोग अपने महंगे जीवन-स्तर को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।इसके अलावा, कुछ वास्तविक आर्थिक चुनौतियां भी हैं जिन्हें राजनीतिक दल और नेता सुलझा नहीं पा रहे हैं। बेरोजगारी दर 8।2 प्रतिशत है।

विचार

कमजोर मानसून के बाद 2027 के लिए मौसम वैज्ञानिकों की बड़ी चेतावनी

नेहा जैन

लेखक



कोटेश्वरराव कुंडेती का लेख आने वाले सूखे का दावा करने के बजाय, उपलब्ध सबूतों के आधार पर संभावित जोखिमों का आकलन पेश करता है।

भारत में साल 2026 का दक्षिण-पश्चिम मानसून खत्म हो चुका है, जिसके बाद देश भर में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही अलग-अलग इलाकों में बारिश के स्तर में बड़ा अंतर देखा गया है, जिससे खेती के लिए मिट्टी में नमी की कमी साफ नजर आ रही है।

तेजी से मजबूत हो रहे अल नीनो (श्वद्य ह्वद्वैश) के कारण साल 2027 की शुरुआत तक मौसम की स्थिति को लेकर चिंता और बढ़ गई है। हालांकि, किसानों और पानी का प्रबंधन करने वालों के लिए असल सवाल सिर्फ अल नीनो की ताकत नहीं है, बल्कि यह है कि क्या अक्टूबर से दिसंबर के बीच होने वाली बारिश मिट्टी की नमी को वापस ला पाएगी, स्थानीय जल स्रोतों को दोबारा भर पाएगी और सर्दियों की फसल (रबी सीजन) को सहारा दे पाएगी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढख्ष्ठ) की रिपोर्ट के अनुसार, जून से सितंबर 2026 के दौरान भारत में 759।4 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि, लंबी अवधि का औसत 868।6 मिमी रहता है। इस तरह कुल मिलाकर 109।2 मिमी (12।6त्न) की कमी रही।

क्षेत्रवार देखें तो दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य की तुलना में सिर्फ 76त्न और पूर्वी व उत्तर-पूर्वी भारत में 74त्न बारिश हुई। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत में 94त्न और मध्य भारत में 97त्न बारिश दर्ज की गई। पूरे देश और इन क्षेत्रों के ये औसत आंकड़े जिला स्तर पर मौजूद बड़े अंतर को छुपा देते हैं, क्योंकि कम बारिश वाले क्षेत्रों के भीतर भी कुछ ऐसे इलाके रहे जहां सामान्य या उससे ज्यादा बारिश हुई।अल नीनो (श्वद्य ह्वद्वैश) के दौरान उष्णकटिबंधीय मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान असामान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिससे वहां की हवाओं के चक्र में बदलाव आता है। यह बदलाव हवाओं के दबाव और रुख को प्रभावित करके भारत के कुछ हिस्सों में नमी को कम कर देता है, जिससे दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर होने की संभावना बढ़ जाती है।हालांकि, मानसून के दौरान बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र, मौसम के बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव, हिंद महासागर द्विध्रुव और क्षेत्रीय हवाएं भी यह तय करती हैं कि कहां और कब बारिश होगी। हिंद महासागर की स्थितियां इस तरह के बदलावों को समझने में मदद करती हैं। अपनी स्थिति और मजबूती के आधार पर, आईओडी (ढ्ढह्लष्ठ- ढ्ढठ्ठस्रह्लद्बड्डठ्ठ ह्लद्मड्डठ्ठ ष्ठद्बश्चश्चद्यद्द) अल नीनो से होने वाले हवाओं के बदलावों को या तो और बढ़ा सकता है या फिर उनके असर को कम कर सकता है। मौसम विभाग के सितंबर के पूर्वानुमान के मुताबिक, अक्टूबर से दिसंबर के दौरान आईओडी के सामान्य रहने की उम्मीद जताई गई थी।अमेरिकी मौसम एजेंसी के क्लाइमेट प्रेडिक्शन सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के पूर्वी-मध्य और पूर्वी हिस्सों में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। प्रशांत महासागर के ऊपर हवाओं का चक्र अल नीनो के अनुकूल बना हुआ है। अल नीनो लगातार मजबूत हो रहा है, और जनवरी से मार्च 2027 तक इसके ÷मजबूत से बेहद मजबूत÷ होने की 90त्न से भी अधिक संभावना है।

आईसीएआर के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की क्रीम्स लैब फसलों की स्थिति और नमी की कमी का आकलन करने के लिए एक खास सूखे सूचकांक का इस्तेमाल करती है।अगस्त के आखिर से सितंबर के मध्य 2026 की इसकी रिपोर्ट में जांचे गए कुल क्षेत्र का 19।34त्न हिस्सा (लगभग 2।9 करोड़ हेक्टेयर) मध्यम से लेकर भारी कृषि सूखे की चपेट में पाया गया। इसके अलावा, 55।6त्न हिस्से में हल्की नमी की कमी देखी गई। ये आंकड़े केवल रिपोर्ट की अवधि के दौरान की स्थिति को दर्शाते हैं; इनमें से कोई भी आंकड़ा कटी हुई फसल के अंतिम नुकसान का पक्का अनुमान नहीं है।राज्य स्तर पर सबसे चौंकाने वाले आंकड़े आंध्र प्रदेश से सामने आए हैं। इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान, आंध्र प्रदेश का 74।1त्न हिस्सा मध्यम से भारी सूखे की श्रेणी में आ गया था। जबकि, इसकी तुलना में तमिलनाडु में 40।3त्न और कर्नाटक में 38।1त्न हिस्सा इस सूखे की चपेट में था। हालांकि, इस आंकड़े का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आंध्र प्रदेश की तीन-चौथाई फसल बर्बाद हो चुकी है, और न ही यह साबित होता है कि सूखे का यही स्तर अक्टूबर महीने में भी लगातार बना हुआ है।

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता







जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।





भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती



न्यूज इन शॉर्ट



कोरबा की प्रमुख सड़कों के डामरीकरण कार्य का शुभारंभ, उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने किया निरीक्षण

कोरबा कोरबा शहर की प्रमुख सड़कों को बेहतर और सुगम बनाने के लिए डामरीकरण कार्य प्रारंभ हो गया है। उद्योग, वाणिज्य एवं आबकारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने और निर्धारित समय-सीमा में इसे पूरा करने के निर्देश दिए। उद्योग मंत्री श्री देवांगन के प्रयासों से नगर निगम क्षेत्र के 20 प्रमुख मार्गों के डामरीकरण के लिए ?24 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यों का भूमिपूजन 19 अक्टूबर को कोसाबाड़ी चौक पर किया गया था। इसके बाद शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर डामरीकरण कार्य शुरू हुआ।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों से कहा कि सभी स्वीकृत कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्माण कार्य व्यवस्थित ढंग से कराने और कार्य के दौरान आम नागरिकों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखने के निर्देश दिए।

शहर के प्रमुख मार्गों के डामरीकरण से नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और कोरबा के आधारभूत विकास को गति प्राप्त होगी।

इस अवसर पर नगर निगम के अधीक्षण अभियंता श्री भूषण उरांव, प्रभारी कार्यपालन अभियंता श्रीमती रुचि वर्मा, एमआईसी सदस्य श्री नरेंद्र देवांगन, श्री चंद्रलोक सिंह, श्री मुकुंद कंवर, श्री प्रफुल्ल तिवारी, श्री योगेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्योगों की जरूरत के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने की पहल

कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कौशल अंतर आकलन एवं भावी कार्यबल मानचित्रण रिपोर्ट पर हुई बैठक

कोरबा, जिले में उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोरबा द्वारा कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कौशल अंतर आकलन एवं भावी कार्यबल मानचित्रण रिपोर्ट पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री दुदावत ने औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से उनकी वर्तमान एवं भविष्य की मानव संसाधन संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिले में आईटीआई और पॉलीटेक्निक संस्थान उपलब्ध होने के बावजूद रोजगार नियोजन की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है। इसके लिए उद्योगों को आईटीआई से जोड़कर उनकी जरूरत के अनुरूप पाठ्यक्रम संचालित किए जाएं। साथ ही, उद्योगों में युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई।

कलेक्टर ने औद्योगिक संस्थानों से आगामी तीन वर्षों में आवश्यक ट्रेड और कुशल कार्यबल के संबंध में लिखित फीडबैक देने का आग्रह किया। उन्होंने आईटीआई में आगामी पांच वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई तकनीकों और उभरते ट्रेडों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि औद्योगिक नीति के तहत उद्योग यदि अपनी आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करते हैं, तो उद्योग स्थापना तथा प्रशिक्षण शुल्क में राज्य शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार छूट का लाभ मिल सकता है।

पॉलीगॉन सर्वे कार्य में सटीकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करें, निर्धारित समय-सीमा में करें पूर्ण : कलेक्टर

कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रावल ने खैरागढ़ और छुईखदान तहसील में पॉलीगॉन सर्वे कार्य का किया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन ■ खैरागढ़,

कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रावल ने जिले में संचालित पॉलीगॉन सर्वे कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए खैरागढ़ और छुईखदान तहसील का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खैरागढ़ तहसील के ग्राम केराबोरी तथा छुईखदान तहसील के ग्राम गोपालपुर पहुंचकर पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे पॉलीगॉन सर्वे कार्य का अवलोकन किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को सर्वे कार्य पूरी सटीकता, पारदर्शिता एवं व्यवस्थित ढंग से संपादित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में त्रुटिरहित पूर्ण करने के निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री चंद्रावल ने पॉलीगॉन सर्वे की प्रक्रिया एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि सर्वे के दौरान भूमि एवं खसरा संबंधी विवरणों का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाए तथा पीवी ऐप में दर्ज की जाने वाली जानकारी की शुद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा विसंगति की संभावना नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए मैदानी स्तर पर प्रत्येक कार्य को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ पूरा किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि पॉलीगॉन सर्वे राजस्व अभिलेखों एवं भूमि संबंधी जानकारी को व्यवस्थित और सटीक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य है। इसके माध्यम से भूमि की वास्तविक स्थिति एवं सीमाओं से संबंधित जानकारी को डिजिटल स्वरूप में व्यवस्थित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वे के दौरान तकनीकी प्रक्रियाओं एवं निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में भूमि संबंधी अभिलेखों के उपयोग में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

कलेक्टर श्री चंद्रावल ने दोनों तहसीलों में सर्वे कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीवी ऐप के माध्यम से पॉलीगॉन तैयार करते समय संबंधित खसरों एवं भूमि की सीमाओं का सही मिलान किया जाए। सर्वे के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या अथवा विसंगति सामने आने पर उसका समय रहते निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित मैदानी कर्मचारियों को सर्वे कार्य की नियमित निगरानी करने तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि सर्वे कार्य केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक स्तर पर जानकारी की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने खैरागढ़ एवं छुईखदान तहसील में पॉलीगॉन सर्वे कार्य को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया।

बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल और बास्केटबॉल में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन, खेल मैदान में उमड़ी दर्शकों की भीड़

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त उत्साह, विभिन्न संभागों ने जीते पदक



एक सत बुलेटिन ■अम्बिकापुर

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। खिलाड़ियों के उत्साह और रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए खेल मैदान में खेल प्रेमियों एवं दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

बैडमिंटन में दुर्ग संभाग का दबदबा

बैडमिंटन प्रतियोगिता के 19 वर्ष बालक वर्ग में दुर्ग संभाग ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय, बिलासपुर ने तृतीय तथा सरगुजा ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। 19 वर्ष बालिका वर्ग में बस्तर प्रथम, दुर्ग द्वितीय, सरगुजा तृतीय और रायपुर चतुर्थ स्थान पर रहा।

इसी प्रकार 17 वर्ष बालक वर्ग में दुर्ग संभाग ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय, बिलासपुर ने तृतीय तथा सरगुजा ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग में दुर्ग प्रथम, रायपुर द्वितीय, सरगुजा तृतीय और बस्तर चतुर्थ स्थान पर रहा।

सॉफ्ट टेनिस में बिलासपुर और रायपुर के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 14 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय और दुर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 14 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय और सरगुजा तृतीय स्थान पर रहा। 17 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय और दुर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 17 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, बिलासपुर द्वितीय और दुर्ग तृतीय स्थान पर रहा।

19 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर ने प्रथम, दुर्ग ने द्वितीय और रायपुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। 19 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय और बिलासपुर तृतीय स्थान पर रहा।

फुटबॉल और बास्केटबॉल में भी दिखा रोमांच

फुटबॉल के 19 वर्ष बालक वर्ग में बस्तर संभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सरगुजा द्वितीय और दुर्ग तृतीय स्थान पर रहा। बास्केटबॉल के 17 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर संभाग ने प्रथम, दुर्ग ने द्वितीय और सरगुजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 14 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर ने प्रथम, सरगुजा ने द्वितीय और बिलासपुर ने तृतीय स्थान हासिल किया।

खिलाड़ियों की सुविधाओं पर शिक्षा विभाग की नजर

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी पूरे मनोयोग से मैदान में उतर रहे हैं। वहीं शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार प्रतियोगिता स्थल एवं संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। अधिकारी खिलाड़ियों की आवश्यकताओं की जानकारी लेकर सुविधाओं को सुनिश्चित करने में जुटे हैं। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न संभागों के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना से दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर भी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह बना हुआ है।

सीएसईबी चौक में वेटिंग शेड का उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने किया लोकार्पण, तीन प्रमुख मार्गों पर 195 स्ट्रीट लाइटों से बढ़ेगी रोशनी

धूप और बारिश से मिलेगी राहत, सार्वजनिक स्थलों पर आवागमन होगा सुविधाजनक



एक सत बुलेटिन ■कोरबा

वाणिज्य एवं उद्योग, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री तथा नगर विधायक श्री लखन लाल देवांगन और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने सीएसईबी चौक पर जिला खनिज न्यास मद से 16.15 लाख रुपये की लागत से निर्मित वेटिंग शेड का लोकार्पण किया। इस अवसर पर नगर निगम के तीन प्रमुख मार्गों पर स्थापित 195 नवीन स्ट्रीट लाइटों का भी लोकार्पण किया गया। इन सुविधाओं से नागरिकों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी और सार्वजनिक स्थलों पर बेहतर रोशनी एवं सुरक्षा सुनिश्चित होगी। वेटिंग शेड के लोकार्पण अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शहरवासियों की सुविधा और सुलभता को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। सीएसईबी चौक पर सिग्नल के दौरान इंतजार करने वाले लोगों को अब तेज धूप और बारिश से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि चौक के दूसरी ओर भी वेटिंग शेड का निर्माण जल्द पूरा किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए सुलभ शौचालय का निर्माण भी शीघ्र पूर्ण होगा। सीएसईबी चौक को व्यवस्थित और सुसज्जित बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। जिला खनिज न्यास मद से शहरवासियों की सुविधाओं और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि विकास कार्यों का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे। महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि शहर के वार्डों में छोटे-बड़े विकास कार्यों के साथ मुख्य मार्गों के डामरीकरण सहित विभिन्न कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। शहरवासियों की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने से मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

तीन प्रमुख मार्गों पर 195 नवीन स्ट्रीट लाइटों का लोकार्पण

मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य और महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत की अध्यक्षता में नगर निगम के तीन प्रमुख मार्गों पर स्थापित नवीन स्ट्रीट लाइटों का लोकार्पण किया गया। इनमें रातारार मुख्य मार्ग से पुराने पुल होते हुए मुक्तिधाम तक 44 स्ट्रीट लाइटें, वार्ड क्रमांक 51 एवं 52 में रामनगर चौक से सिपेट होते हुए अयोध्यापुरी तक 80 स्ट्रीट लाइटें तथा वार्ड क्रमांक 58 के सरदार वल्लभभाई पटेल नगर में जमनीपाली पेट्रोल पंप चौक से कॉरपोरेशन साइट प्रधानमंत्री आवास तक 71 एलईडी स्ट्रीट लाइटें शामिल हैं। रामनगर-अयोध्यापुरी मार्ग पर स्ट्रीट लाइट कार्य की लागत 25.50 लाख रुपये तथा जमनीपाली मार्ग पर कार्य की लागत 25.25 लाख रुपये है।

इस अवसर पर पार्षद श्री लक्ष्मण श्रीवास, एमआईसी सदस्य श्री नरेंद्र देवांगन, श्री हीतानंद अग्रवाल, पार्षद श्री राम कुमार साहू, श्री मथुरा चंद्रा, श्री मुकुंद कंवर, श्री प्रफुल्ल तिवारी, श्री योगेश मिश्रा, श्री वैभव शर्मा, श्री विजय गुप्ता, श्री राजेश राठौर, श्री मनोज लहरे, पार्षद श्री सरोज शांडिल्य, श्री परमिंदर सिंह, श्री अजय चंद्रा, पार्षद श्री फिरथ साहू, एल्डरमैन श्री ईश्वर साहू, श्री रवि चंदेल, श्री अंजय अग्रवाल, श्री किशोर साहू, श्री आशीष अग्रवाल, श्री संजय कुर्मवंशी सहित क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

गांव की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है

वीबी जीरामजी योजना से ग्राम पंचायत बघेली में जल संरक्षण एवं ग्रामीणों को रोजगार, दीपावली से पूर्व 90 श्रमिकों को मिल रहा काम

एक सत बुलेटिन ■बालोद,

वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत गुंडरदेही विकासखंड के ग्राम पंचायत बघेली में सामुदायिक उपयोग हेतु परकोलेशन टैंक बघेली भाठा का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस कार्य के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है, वहीं जल संरक्षण एवं भूजल स्तर में वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

वर्तमान में उक्त निर्माण कार्य में 90 श्रमिक नियोजित हैं। दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार से पूर्व ग्रामीण श्रमिकों को अपने ही गांव में रोजगार मिलने से उन्हें परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा त्योहार की तैयारियों में आर्थिक सहयोग प्राप्त हो रहा है। स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सहारा मिल रहा है तथा गांव की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है।



परकोलेशन टैंक निर्माण से होंगे जल संरक्षण के दूरगामी लाभ

परकोलेशन टैंक वर्षा जल को एकत्रित कर उसे धीरे-धीरे भूमि के भीतर रिसने में सहायता करता है। इससे भूजल पुनर्भरण की संभावनाएं बढ़ती हैं तथा जल स्रोतों के संरक्षण में मदद मिलती है। इस संरचना से आसपास के क्षेत्र में मिट्टी की नमी बनाए रखने तथा कुओं एवं अन्य भूजल स्रोतों को लाभ पहुंचाने में सकारात्मक योगदान मिलने की उम्मीद है। साथ ही, वर्षा जल के बेहतर प्रबंधन और जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने में भी यह कार्य उपयोगी सिद्ध होगा।

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं तकनीकी अमले का योगदान

ग्राम पंचायत बघेली में वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत संचालित परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य के सफल क्रियान्वयन में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं मैदानी अमले का महत्वपूर्ण योगदान है। इस कार्य के संचालन में श्री नितेश साहू एवं कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिज्ञा चंद्राकर के मार्गदर्शन एवं सहयोग से कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

वहीं, ग्राम पंचायत सचिव श्री टिकेश्वर देशमुख, सरपंच श्री रामेश्वर तेलासी एवं उपसरपंच श्री प्रमोद कुमार यादव द्वारा पंचायत स्तर पर कार्य के संचालन में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। रोजगार सहायक श्री नोखे राम बंजारे द्वारा श्रमिकों के नियोजन एवं रोजगार संबंधी कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

निर्माण कार्य की तकनीकी देखरेख, निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप कार्य संपादन तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने में तकनीकी सहायक श्रीमती पद्मा पाटिल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना केरता में गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

कलेक्टर ने किसानों से किया सीधा संवाद, गन्ना उत्पादन एवं रकबा बढ़ाने किसानों को किया प्रोत्साहित

एक सत बुलेटिन ■सूरजपुर

माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना केरता में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में गन्ना कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गन्ना उत्पादन, रकबा विस्तार, रिकवरी बढ़ाने, किसानों को समय पर भुगतान तथा कारखाने के सुचारू संचालन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, अनुविभागीय अधिकारी श्री रमेश मोर,कारखाना प्रबंधन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। किसानों ने गन्ने के भुगतान में देरी, खेती की बढ़ती लागत, श्रमिकों की उपलब्धता तथा कारखाने के संचालन से जुड़ी समस्याएं रखीं। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि शासन के निर्धारित नियमों के अनुरूप क्रियान्वयन की जाएगी। उन्होंने किसानों को शासन द्वारा 355 रुपये से बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि दर के बारे में अवगत कराया तथा शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि गन्ना उत्पादक किसान शक्कर कारखाने के अभिन्न अंग हैं। किसानों के सहयोग एवं उत्पादन पर ही कारखाने का संचालन निर्भर करता है। उन्होंने जिले में गन्ने के घटते उत्पादन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में लगभग 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती थी, जो घटकर लगभग 6 हजार हेक्टेयर रह गई है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल